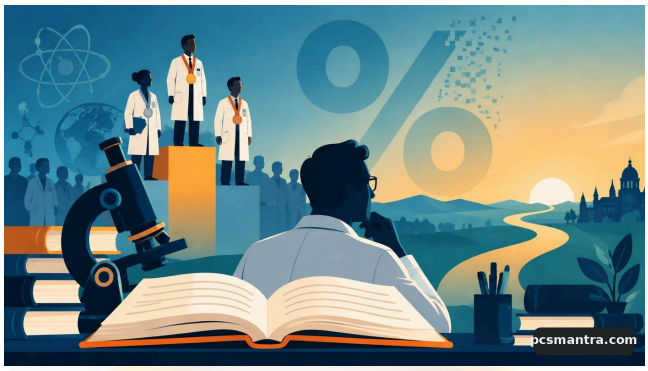
‘टॉप 2% वैज्ञानिक’ टैग से आगे: शोध-मूल्यांकन की असली कसौटी क्या हो

विज्ञान | शोध-मूल्यांकन • बिब्लियोमेट्रिक्स • अखंडता • GS-III | समाचार-संदर्भ: 5 नवंबर 2026 | प्रकाशन: 5 नवंबर 2026



मौलिक प्रतीकात्मक चित्र: pcsmantra.com

'शीर्ष 2%' सूची है क्या

- Scopus के उद्धरण-आंकड़ों पर आधारित यह डेटाबेस वैज्ञानिकों के उद्धरण-प्रभाव को व्यवस्थित रूप से प्रस्तुत करता है। इसे केवल पूरी दुनिया के ठीक 2% वैज्ञानिकों की सूची समझना सही नहीं है। मूल पद्धति में चयन composite citation score के आधार पर शीर्ष 1,00,000 वैज्ञानिकों या अपने उपक्षेत्र में शीर्ष 2% स्थान पाने वालों से होता है। कुल उद्धरण, h-index, सह-लेखकता-समायोजित hm-index और लेखक-स्थान से जुड़े मापक इसमें शामिल हैं। career-long तथा single-year प्रभाव अलग दिखाए जाते हैं।
- अक्टूबर 2026 में प्रकाशित संस्करण 9, Scopus के 1 अगस्त 2026 वाले snapshot पर आधारित है; इसके career-long आंकड़े 2025 के अंत तक और single-year उद्धरण कैलेंडर वर्ष 2025 के हैं। इसलिए प्रकाशन-वर्ष को उद्धरण-वर्ष नहीं समझना चाहिए। डेटाबेस self-citation सहित और उसके बिना मापक अलग देता है। सूची से बाहर होना अपने-आप में खराब शोध का प्रमाण नहीं है; इसके लेखक भी इसे उत्कृष्टता का पूर्ण प्रमाण मानने के विरुद्ध सावधान करते हैं।
- यह **बिब्लियोमेट्रिक (उद्धरण-आधारित)** माप है — अनुसंधान की गुणवत्ता, समाज-उपयोग या नैतिकता का प्रत्यक्ष माप नहीं।

आलोचना के मुख्य बिंदु

- **उद्धरण-खेल:** self-citation, citation cartels और "salami slicing" (एक शोध को कई पेपर में बाँटना) से आंकड़े फुलाए जा सकते हैं; कुछ संस्थान रैंकिंग-प्रदर्शन के लिए सूची में आने को प्रोत्साहन-मानदेय से जोड़ते हैं।
- **विकृति:** सूची में आना स्वयं लक्ष्य बन जाए तो जोखिमभरा मौलिक अनुसंधान (जिसके उद्धरण देर से आते हैं) और स्थानीय समस्याओं के अनुप्रयुक्त शोध (कम उद्धरण वाले) पीछे छूट जाते हैं।
- **पूरक, प्रतिस्थापन नहीं:** ऐसे डेटाबेस संकेतक के रूप में उपयोगी हैं, पर मूल्यांकन का एकमात्र आधार नहीं बन सकते — peer review, पेटेंट/तकनीक-हस्तांतरण, नीति-प्रभाव और समाज-लाभ को साथ तौलना होगा।

परीक्षा-दृष्टि से महत्व

- **मुख्य (GS-3):** शोध-संस्कृति, रैंकिंग-दबाव और अनुसंधान-अखंडता (research integrity); "publish or perish" बनाम प्रभाव-आधारित मूल्यांकन; भारत का R&D व्यय ~0.6-0.7% GDP (2% लक्ष्य से नीचे) — संस्थागत सुधार के सुझाव।
- **प्रीलिम्स:** Scopus/Elsevier/Stanford सूची की प्रकृति (सरकारी सूची नहीं), h-index जैसे बिब्लियोमेट्रिक मापक।

मुख्य परीक्षा अभ्यास प्रश्न

"उद्धरण-आधारित 'शीर्ष वैज्ञानिक' सूचियाँ प्रोत्साहन से अधिक विकृति पैदा कर सकती हैं।" टिप्पणी कीजिए और भारत के लिए संतुलित शोध-मूल्यांकन ढाँचा सुझाइए। (250 शब्द)

उत्तर की रूपरेखा

भूमिका में: उद्धरण-आधारित वैज्ञानिक सूचियों की प्रकृति और शोध-मूल्यांकन में उनके उपयोग का परिचय दें।

मुख्य भाग में: मानकीकरण और दृश्यता के लाभों के साथ उद्धरण-खेल तथा अनुप्रयुक्त शोध की उपेक्षा जैसी विकृतियाँ रखें। केवल रैंक के बजाय सहकर्मी समीक्षा, वास्तविक प्रभाव और शोध-अखंडता की जाँच को जोड़ने वाले सम्मिश्र ढाँचे की विवेचना करें।

निष्कर्ष में: सूचकांक को मूल्यांकन का सहायक मानें, शोध की गुणवत्ता का अकेला अंतिम प्रमाण नहीं।

प्रिलिम्स परीक्षा अभ्यास प्रश्न

प्रश्न 1. चर्चित "शीर्ष 2% वैज्ञानिकों" की वार्षिक सूची मुख्य रूप से किसके आंकड़ों पर आधारित है?

(a) Web of Science

(b) Scopus

(c) PubMed

(d) Google Scholar

उत्तर और व्याख्या

उत्तर: (b) — Stanford के शोधकर्ता Elsevier के Scopus उद्धरण-डेटाबेस से composite score निकालकर सूची बनाते हैं; यह कोई सरकारी/विश्वविद्यालय-रैंकिंग नहीं है।

प्रश्न 2. h-index क्या मापता है?

(a) केवल कुल प्रकाशन

(b) प्रकाशन और उद्धरण का संयुक्त माप

(c) केवल पेटेंट संख्या

(d) अनुसंधान-अनुदान राशि

उत्तर और व्याख्या

उत्तर: (b) — h-index तब h होता है जब शोधकर्ता के कम से कम h पेपर कम-से-कम h बार उद्धृत हुए हों — उत्पादकता और प्रभाव का संयुक्त, यद्यपि सीमित, माप।

स्रोत

मूल डेटाबेस और चयन-पद्धति: संस्करण 9, 7 अक्टूबर 2026

1. The Hindu, 5 नवंबर 2026 (विचार-लेख: "Science should move past 'top 2%' label", एम. जगदीश कुमार)।